



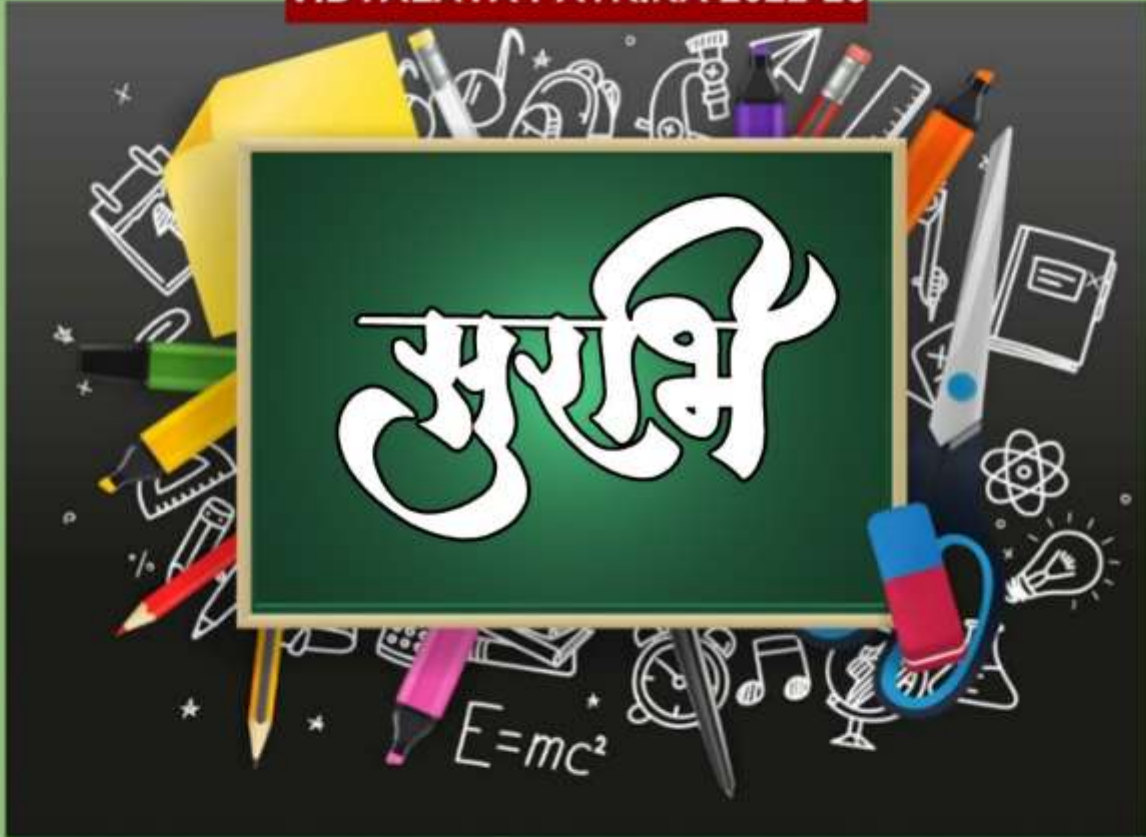
केंद्रीय विद्यालय आयुध निर्माणी, भुसावल
KENDRIYA VIDYALAYA O.F. BHUSAWAL



मुंबई संभाग / MUMBAI REGION

विद्यालय पत्रिका

VIDYALAYA PATRIKA 2022-23





केन्द्रीय विद्यालय संगठन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)

संभागीय कार्यालय, आईआईटी. कैम्पस, पवई, मुंबई 400076-

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

(Under Min. of Education, Govt. of India)

Regional Office: IIT Campus, Powai, Mumbai-400076.

दूरभाष/ Tel. (022) 2572 8060/2328/6763/1614/0717 (EAPBX)

ई-मेल/E-mail : kvsmbairegion@gmail.com

WEBSITE : <https://romumbai.kvs.gov.in>



संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय भुसावल, द्वारा सत्र 2022-23 की विद्यालय पत्रिका 'सुरभि' का प्रकाशन किया जा रहा है।

केन्द्रीय विद्यालयों का उद्देश्य सभी विद्यार्थियों की प्रतिभा, रुचि और मनोवृत्ति के अनुरूप उन्हें सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करते हुए उनका चहुमुखी विकास करना है। विद्यालय पत्रिका मौलिक दृष्टिकोण एवं विचारों की अभिव्यक्ति का उत्तम मंच एवं नवाचारों को साझा करने का प्रभावी माध्यम है। विद्यालय पत्रिका परिवार के सभी सदस्यों को उनके रचनात्मक कौशल एवं नैसर्गिक प्रतिभा को मूर्त रूप देने का सुनहरा अवसर भी प्रदान करती है।

केन्द्रीय विद्यालय भुसावल, की विद्यालय पत्रिका 'सुरभि' के प्रकाशन के अवसर पर इस प्रक्रिया से जुड़े सभी विद्यार्थियों, शैक्षिक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, संपादक मंडल एवं प्राचार्य को मैं हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ और आशा करती हूँ कि यह विद्यालय पत्रिका सुरुचिपूर्ण पाठन सामग्री के साथ वैचारिक अभिप्रेरण भी प्रदान करेगी।

शुभकामनाओं सहित,

सोना सेठ

(सोना सेठ)
उपायुक्त

प्राचार्य
केन्द्रीय विद्यालय
भुसावल



अनुराग स. भटनागर, मा-अ-नि-नि-
महाप्रबन्धक
ANURAG S. BHATNAGAR, I.O.F.S.
GENERAL MANAGER



आयुध निर्माणी भुसावल
यंत्र इंडिया लिमिटेड की इकाई
(भारत सरकार का उद्यम, रक्षा मंत्रालय)
ORDNANCE FACTORY BHUSAWAL
A Unit of Yantra India Limited
(GOVT. OF INDIA ENTERPRISE, MINISTRY OF DEFENCE)



संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि केन्द्रीय विद्यालय आयुध निर्माणी भुसावल द्वारा विद्यालय की गतिविधियों को जनसाधारण तक पहुँचाने के लिए ई-पत्रिका 'सुरभि' का प्रकाशन किया जा रहा है।

पत्रिका के प्रकाशन हेतु बच्चों से उनकी रुचि के अनुसार लेखन कार्य करवाने से बच्चों की सृजनात्मक प्रतिभा को निश्चित रूप से बढ़ावा मिलता है। विद्यालय पत्रिका के माध्यम से विद्यालय की सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ साहित्यिक रुचि का भी ज्ञान होता है। विद्यालय पत्रिका इस बात का भी प्रमाण होती है कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय प्रबन्धन पूरी प्रतिबद्धता के साथ सकारात्मक रूप से प्रयासरत है।

मुझे यह देखकर भी हार्दिक प्रसन्नता है कि केन्द्रीय विद्यालय, आयुध निर्माणी भुसावल बच्चों में मौजूद गुण, प्रतिभा और विलक्षणता को निखारने की दिशा में उनके सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए अपनी गतिविधियों को संचालित कर रहा है।

मैं केन्द्रीय विद्यालय आयुध निर्माणी भुसावल के प्राचार्य, उनकी टीम और बच्चों को पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु उनके कठोर परिश्रम और समर्पण के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ।


(अनुराग स. भटनागर)
महाप्रबन्धक

संदेश

केंद्रीय विद्यालय आयुध निर्माणी भुसावल के प्रभारी प्राचार्य के रूप में मेरी देखरेख में विद्यालय से प्रकाशित होने वाली 'सुरभि' पत्रिका का यह दूसरा संस्करण है। सबसे पहले तो मैं पत्रिका के प्रकाशन में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी शिक्षक साथियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। जिनके अथक परिश्रम से विद्यालय अपनी ई पत्रिका 'सुरभि' का प्रकाशन करने जा रहा है।



पत्रिका और विद्यालयी पत्रिका में फर्क होता है सामान्य तौर पर पत्रिकाओं में मंझे हुए लेखकों के लेख प्रकाशित होते हैं। वहीं विद्यालय पत्रिका में नव हस्ताक्षरों को अपनी कल्पना को पहली बार प्रकाशित करने का मौका मिलता है। यही वह अवसर होता है जहां वह अपनी लेखनी को धार देने की शुरुआत करता है और लेख प्रकाशित होने के बाद उसकी इस धारणा को मजबूती मिलती है कि वह जो लिख रहा है अथवा जो कल्पना करता है उसको साकार रूप देकर जन-जन तक अपनी बात को पहुंचा सकता है।

केंद्रीय विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का उद्देश्य लेकर चलता है और इसी कड़ी में बच्चों की कल्पनाशीलता को, रचना धर्मिता के रूप में प्रकाशित कराने का अवसर प्रदान करना उनकी वैचारिक सफलता का सूचक है। इसलिए विद्यालय अपनी पत्रिका में अधिकाधिक विद्यार्थियों की रचनाओं को, उनके चित्रों को, उनकी कल्पनाओं को और उनकी भावनाओं को जैसा कि वह सोचते और समझते हैं उन्हें प्रकट करने का उचित अवसर प्रदान करता है। विद्यालय पत्रिका वस्तुतः विद्यालय गतिविधियों का एक आईना होती है जिसे पढ़ने के बाद विद्यालय की समस्त गतिविधियों से आप परिचित होते हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि वर्षभर की गतिविधियों का विद्यालय पत्रिका में किसी न किसी रूप में स्थान जरूर दिया गया होगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि जो भी इस पत्रिका को पड़ेगा उसे आत्म संतुष्टि जरूर होगी। धन्यवाद

■ प्रभारी प्राचार्य

नितिन कुमार उपाध्याय

संदेश

यह मेरे लिए हार्दिक प्रसन्नता का विषय है कि हमारे विद्यालय की विद्यालय पत्रिका 'सुरभि' का प्रकाशन होने जा रहा है। विद्यालय पत्रिका वर्षभर की गतिविधियों की झांकी प्रस्तुत करती है। जिसके माध्यम से विद्यालय की विशेषताओं एवं उपलब्धियों के बारे में सभी को जानने का अवसर मिलता है। पत्रिका के सृजन में सी.सी.ए. प्रभारी शिक्षक एवं बच्चों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसमें प्रकाशित होने वाले लेख, कहानी, कविताओं तथा रचनाओं का संकलन विद्यालय के छात्रों - शिक्षकों द्वारा किया गया है। फलस्वरूप बच्चों की प्रतिभा को निखारने का यह एक अनुपम अवसर प्रदान किया गया है।



मैं पत्रिका के लेखन व प्रकाशन कार्य से जुड़े सभी शिक्षकों एवं छात्रों को धन्यवाद देता हूं। मैं प्राचार्य महोदय को भी धन्यवाद देता हूं जिनके मार्गदर्शन में सभी पाठ्य सहगामी क्रिया कलापों का सुचारु रूप से संपादन हुआ। जिससे बच्चों का बहुआयामी विकास संभव हो पाता है। पत्रिका का प्रकाशन निश्चित रूप से विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए प्रेरक सिद्ध होगी, इसी विश्वास के साथ पत्रिका के प्रकाशन में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी कर्मचारियों का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं और सबके प्रति शुभकामनाएं व्यक्त करता हूं।

■ सुरेश धोंडिबा नरहिरे

मुख्याध्यापक, केन्द्रीय विद्यालय आयुध निर्माणी

संपादक की कलम से

विद्यालय पत्रिका विद्यालय गतिविधियों का वह आइना है जहां झांकने

मात्र से आपको विद्यालय की समस्त गतिविधियों स्पष्ट रूप से

दिखाई देने लगती हैं। विद्यालय द्वारा प्रकाशित होने वाली यह पत्रिका सुरभि



सत्र '2022-23' की समस्त गतिविधियों का एक आईना है। जिसमें आपको पहली कक्षा से लेकर बारहवीं कक्षा तक के उन सभी विद्यार्थियों की गतिविधियों की झलक देखने को मिल सकती है जहां उन्होंने इस वर्ष अपने विद्यालय के उत्थान और अपने स्वयं के विकास के लिए कुछ न कुछ सहयोग जरूर किया है।

विद्यालय पत्रिका का उद्देश्य विद्यालय के समस्त गतिविधियों का संक्षेपण में प्रस्तुतीकरण है। हमने इस कार्य को करने में पूरी ईमानदारी बरतने की कोशिश की है और कोशिश ही की जा सकती है, क्योंकि संपूर्णता तो किसी में नहीं होती, किंतु प्रयास छोड़ा नहीं जा सकता। हमें पूरा विश्वास है कि जब भी आप इस केंद्रीय विद्यालय पत्रिका का अवलोकन करेंगे तो केंद्रीय विद्यालय आयुध निर्माणी भुसावल का चित्र आपके मन मस्तिष्क पर उभरने लगेगा। आपके सामने छोटे-छोटे बच्चे अपनी भाव- भंगिमाओं के साथ अपने आप दिखने लगेंगे, कहीं कोई भाषण दे रहा होगा, कहीं कोई नृत्य कर रहा होगा, छोटे-छोटे बच्चों की बीच-बीच में किलकारियां भी आपको सुनाई देने लगेंगी, उनकी कल्पना जगत के चित्र आपको दिखाई देने लगेंगे और आप उसी में डूबते उतराते नजर आने लगेंगे। दरअसल यह विद्यालय पत्रिका है और यहां सभी बच्चों को किसी न किसी रूप में आपके सामने रखने की कोशिश की गई है।

-अखिलेश कुमार पाण्डेय, पीजीटी हिंदी

विद्यालय पत्रिका 'सुरभि' VIDYALAY PATRIKA SURABHI 2022 23

मुख्य संरक्षक

श्रीमती सोना सेठ

उपायुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन मुंबई संभाग

संरक्षक

श्री एस. वी. जोगलेकर

सहायक आयुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन संभाग मुंबई

मार्गदर्शक

नितिन कुमार उपाध्याय, प्रभारी प्राचार्य

केंद्रीय विद्यालय आयुध निर्माणी भुसावल

श्री सुरेश धोंडीबा नरहिरे, प्रधानाध्यापक

केंद्रीय विद्यालय निर्माण भुसावल

संपादक मंडल

अखिलेश कुमार पांडेय, पीजीटी हिंदी

संदेश निनावे, पीजीटी अंग्रेजी

मिलन कुमार, टीजीटी हिंदी

श्रीमती सीमा बाथम, टीजीटी अंग्रेजी

योगेंद्र पयासी, टीजीटी संस्कृत

महेंद्र पाटील, पीजीटी अर्थशास्त्र

चंद्रकांत तायडे, टीजीटी हिंदी

भूषण शिंपी, कंप्यूटर शिक्षक

Positive Thinking- The power to succeed

A teacher had given her class some difficult problems for homework. A student said It is useless to try to solve these problems. I Know I cannot do them and he shut the his books and put them away.A student said,I must solve these problems I know I can, Students who were trying to solve the problem eventually successfully solved the problems. Students those didn't even try to solve the problems because they didn't have enough confidence in their own ability to tackle the problems. How can a person expect to achieve anything when he is constantly saying to himself,I cannot do this thing?A person who thinks he cannot do his lessons,who decides that he cannot solve his problems,who is sure he cannot get through school, will never be able to do any of these things.He destroys his own self confidence.He becomes a victim of negative thinking.Negative thoughts are the enemies of people who want to succeed. Contrast him to a person who always says,"I will". No matter what obstacle he comes across,he says;" I will do this.I will be successful' It is his constant positive thoughts which increase his confidence in himself.They give him the ability to tackle any task,no matter how difficult it seems.you can do a difficult thing only if you have a positive state of mind.If you get into a difficult situation and say I will or I can or I must you will reinforce your determination and strengthen your confidence. But you say what will be, will be . You will not be able to overcome your obstacles.Discipline yourself to think positively. A person who thinks positively will achieve success and happiness. Everyone who wants to succeed in life achieves desired results only through positive thinking.



Mrs.Ranjana Vigam
PGT COMMERCE

Status Quo

Within every human heart
a life-wish cradles
formidable array
of hope and despair,
of moans and mirth,
of vacuuming death and fulfilling birth
of unbearable agonies and overflowing ecstasies,
testing human endurance
and still we smile and go on with the eternal flow of time...
A strange thing indeed...
An unstoppable flood in fury
ravages land and its glory
leaving only faint signs of existence...
with farthest ray of regeneration
but the bell in the temple strikes again
and stealthily but surely
the drum starts beating
and Mahadeo begins His dance of creation
setting the rhythm anew...
A strange thing indeed...
A hot iron rod lashes us mercilessly
till we smother to death
while a soft beating follows in the womb
maintaining status quo.



Mr. Sandesh Ninave
PGT ENGLISH

OUR CLIMATE IS CHANGING WHY AREN'T WE? SAVE EARTH

By Seema Batham,
TGT English



Mother earth is suffering:SAVE EARTH.Let the ice burgs live.Green planet is better than a warm planet.

Changes in climate is seen as a modification in the method of distribution of the usual weather conditions present on the planet. When such change stays for a decade or a century, then it is known as climate change. There are various factors that contributes towards it.

Climate change is regarded as a change in the climate pattern that is a result of internal and external forces. External forces can be defined as the change in the orbit of Earth, change in solar radiation, plate tectonics, volcanic eruptions, etc. It can also result due to human activities like carbon emission, greenhouse gases etc. Internal forces are defined as the natural procedures that happen within the entire climate system. All of these includes the variation in ocean- atmosphere variability and the existence of human life on the planet.

Climate change has a negative influence on the wildlife, forests, polar region and water systems on the planet. There are various species of animals and plants that have become extinct due to the variations in the Earth climate.

Human activities like deforestation that is performed for the use of land for commercial purposes results in an increase in the presence of carbon in the entire atmosphere. It has been seen as a major factor behind climate change. It is required to keep a track on all activities to control changes in climate and ensure harmony in environment.

Causes that leads to changes in climate

There are a few major factors that leads to changes in climate. :

Human

Activities

Modern age technology has contributed towards emission of carbon content on the planet. This has resulted in an adverse impact on the climate. In addition to it, the plate tectonics, volcanic eruptions and orbital variations even bring modifications in the climate. Let us look at all factors that contributes towards it and results in climatic change.

Solar

Radiation

The speed at which the energy of sun gets received and gets spread in the space is what decides the balance in the climate and temperature of the planet. The ocean currents, winds, and other forms of mechanisms take this energy throughout the globe. This reduces the impact of climatic conditions in varying areas. Short-term and long-term modifications in solar intensity plays an adverse effect on the entire global climate.

Effects of climate change

Effect

on

Forests

Forests acts as a home ground for several plants and animals. It helps in

maintaining the environmental balance on the planet. However, modifications in the climate results in the destruction of forests in several regions.

Effect on Water
The water system present on the planet has got disturbed due to the change in climate. The pattern of rainfall has got erratic that leads to extreme weather conditions like flood and drought. It also causes melting of glaciers.

Effect on Wildlife
Changes in climate is seen to be a major danger for the existence of several types of wild species. It has led to various species of wild plants and animals to have got cut and several are on the edge of extinction.

Steps to be Taken to Reduce Climate Change

The Government of India has taken many measures to improve the dire situation of Climate Change. The Ministry of Environment and Forests is the nodal agency for climate change issues in India. It has initiated several climate-friendly measures, particularly in the area of renewable energy. India took several steps and policy initiatives to create awareness about climate change, and help capacity building for adaptation measures. It has initiated a “Green India” programme under which various trees are planted to make the forest land more green and fertile.

Core to all climate change solutions is reducing [greenhouse gas emissions](#), which must get to zero as soon as possible.

Because both forests and oceans play vitally important roles in regulating our climate, increasing the natural ability of forests and oceans to absorb carbon dioxide can also help stop global warming.

The main ways to stop climate change are to pressure government and business to:

Keep fossil fuels in the ground. Fossil fuels include coal, oil and gas – and the more that are extracted and burned, the worse climate change will get. All countries need to move their economies away from fossil fuels as soon as possible.

Invest in renewable energy. Changing our main energy sources to clean and renewable energy is the best way to stop using fossil fuels. These include technologies like solar, wind, wave, tidal and geothermal power.

Switch to sustainable transport. Petrol and diesel vehicles, planes and ships use fossil fuels. Reducing car use, switching to electric vehicles and minimising plane travel will not only help stop climate change, it will reduce air pollution too.

Improve farming and encourage vegan diets. One of the best ways for individuals to help stop climate change is by reducing their meat and dairy consumption, or by going fully vegan. Businesses and food retailers can improve farming practices and provide more plant-based products to help people make the shift.

Restore nature to absorb more carbon. The natural world is very good at cleaning up our emissions, but we need to look after it. Planting trees in the right places or giving land back to nature through ‘rewilding’ schemes is a good place to start. This is because photosynthesising plants draw down carbon dioxide as they grow, locking it away in soils.

Protect forests like the Amazon. Forests are crucial in the fight against climate change, and protecting them is an important climate solution. Cutting down

forests on an industrial scale destroys giant trees which could be sucking up huge amounts of carbon. Yet companies destroy forests to make way for animal farming, soya or palm oil plantations. Governments can stop them by making better laws.

Protect the oceans. Oceans also absorb large amounts of carbon dioxide from the atmosphere, which helps to keep our climate stable. But many are overfished, used for oil and gas drilling or threatened by deep sea mining. Protecting oceans and the life in them is ultimately a way to protect ourselves from climate change.

Reduce how much people consume. Our transport, fashion, food and other lifestyle choices all have different impacts on the climate. This is often by design – fashion and technology companies, for example, will release far more products than are realistically needed. But while reducing consumption of these products might be hard, it's most certainly worth it. Reducing overall consumption in more wealthy countries can help put less strain on the planet.

Reduce plastic. Plastic is made from oil, and the process of extracting, refining and turning oil into plastic (or even polyester, for clothing) is surprisingly carbon-intensive. It doesn't break down quickly in nature so a lot of plastic is burned, which contributes to emissions. Demand for plastic is rising so quickly that creating and disposing of plastics will account for 17% of the global carbon budget by 2050 (this is the emissions count we need to stay within according to the Paris agreement).

It's easy to feel overwhelmed, and to feel that climate change is too big to solve. But we already have the answers, now it's a question of making them happen. To work, all of these solutions need strong international cooperation between governments and businesses, including the most polluting sectors.

Individuals can also play a part by making better choices about where they get their energy, how they travel, and what food they eat. But the best way for anyone to help stop climate change is to take collective action. This means pressuring governments and corporations to change their policies and business practices.



केळीच्या बागा मामाच्या



केळीच्या बागा मामाच्या
पिवळ्या घडांनी बाकायच्या.
मामा आमचा प्रेमाचा
घडावर घड धाडायचा.

आक्का मोठी हौसेची
भरपूर केळी सोलायची.
आत्या मोठ्या हाताची
तिनेच साखर लोटायची.

आजी आमची मायेची
सायच साय ओतायची.
ताई नीटस कामाची
जपून शिकरण दवळायची.

आई आग्रह करायची
पुरे पुरे तरि वाढायची.
वाटीवर वाटी संपवायची
मामाला देकर पोचवायची.



■ Mahendra Patil
[PGT, ECONOMICS]

पृथ्वी हमारी धरोहर है

पृथ्वी हमारी धरोहर है, इसकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। प्रकृति द्वारा कुछ चीजें उपहार के रूप में मिली हैं। प्रकृति ने हमें सूर्य, चाँद, हवा, जल, धरती, नदियां, पहाड़, हरे-भरे वन और धरती के नीचे छिपी हुई खनिज सम्पदा धरोहर के रूप में हमारी सहायता के लिए प्रदान किये हैं। मनुष्य अपनी मेहनत से धन कमा सकता है लेकिन प्रकृति की धरोहर को अथक प्रयास करने के पश्चात भी बढ़ा नहीं सकता। प्रकृति द्वारा दी गई ये सभी वस्तुएं सीमित हैं।



आज दुःख इस बात का है कि विवेकशील प्राणी होते हुए भी मनुष्य स्वार्थ के कारण इन प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग कर रहा है। वह समय दूर नहीं है जब मनुष्य इन संसाधनों को खोने के बाद पछताएगा। आज बढ़ती जनसंख्या की आवास समस्या को हल करने के लिए हरे-भरे जंगलों को काट कर ऊंची-ऊंची इमारतें बनाई जा रही हैं। वृक्षों के कटने से वातावरण का संतुलन बिगड़ गया है और 'ग्लोबल वार्मिंग' की समस्या पूरे विश्व के सामने भयंकर रूप से खड़ी है। खनिज-सम्पदा का अंधाधुंध प्रयोग किया जा रहा है। जीव-जंतुओं का संहार किया जा रहा है, जिसके कारण अनेक दुर्लभ प्रजातियां लुप्त होती जा रही हैं। प्रकृति की सुंदरता जिसे देखकर कवियों का मन झूम उठता था और प्रकृति उनकी कविता की प्रेरणा बन जाती थी, आज वह सब कुछ उजड़ चुका है और प्रकृतिक आपदाएं मुंह खोले खड़ी हैं। इसी कारण आज प्रकृति संबंधी कवितायें लिखने की प्रेरणा कवियों को नहीं मिलती है।

आज हम सब को इस बात पर गम्भीरता से विचार करना चाहिए कि प्रकृति ने धरोहर के रूप में जो भी वस्तुएं दी हैं, उनका हम सब अच्छी तरह से प्रयोग करें और आने वाली पीढ़ी के लिए इन वस्तुओं को संभाल कर रखें तथा इनके स्थान पर दूसरे विकल्प ढूँढने का प्रयास करें। अतः यह पृथ्वी हमारी धरोहर है और हर तरीके से इसको संभाल कर रखना हम सभी का कर्तव्य है।

○ Ravindra Thakre
[TGT, SST]

हे मां

हे मां

तेरे चरणों में नित उठ

शीश झुकाऊं ।

तेरे किए गए उपकारों को मैं

कभी न भूल पाऊं।

जो दिया तुमने

उसका एक अंश भी मैं

लौटा पाऊं।

झुकने न दूं सर तुम्हारा

हर पल तुम्हारा स्वाभिमान बढ़ाऊं,

आए बाधा जो तुम्हारी राह में

मैं बीच में आ जाऊं।

हे मां.....।



■ मिलन कुमार

टीजीटी हिंदी

निपुण भारत

चलो मिलकर के.वी. के बच्चों को निपुण बनाएं ।

एक नया भारत बनाएं।

खेल - खेल में पढ़ना सिखाएं।

हंसते गाते अनुभव दिलाएं।

हर विद्यालय ने अपनाया निपुण भारत ,

परिणाम पा रहा अद्भुत।

निपुण बने हर के. वी. का बच्चा ।

योग्य, सृजनशील, कुशल, बनेगा हर बच्चा।

भाषा, गणित के लक्ष्य को पूरा करने का ठाना है।

पठन, लेखन, आकलन का अवलोकन करना है।

नन्हे मुन्ने सितारों की बाल वाटिका सजाना है ।

विद्या प्रवेश की गतिविधियों को रोचक हमें बनाना है ।

खेल, खिलौने, खेल कर ज्ञान का वर्धन करना है ।

नैतिक मूल्यों को समझाकर, मानवता का पाठ पढ़ाना है।

पढ़ने लिखने की एक नई उमंग जगाना है।

शिक्षा को एक नए शिखर पर ले जाना है।

भारत को आत्मनिर्भर बनाना है ।



द्वारा

- सुश्री संध्या परदेसी
वरिष्ठ प्राथमिक शिक्षिका

वर्तमान है आपका सही स्थान

एक इंसान की मृत्यु का समय नज़दीक आ गया। अपने अंतिम समय में वह ईश्वर से बातचीत करने लगा कि

इंसान - हे ईश्वर, इस जीवन में मेरे अभी बहुत सारे कार्य बाकी हैं, जो पूरे नहीं हुए हैं... कई सारी इच्छाएँ हैं, जिन्हें पूरा करना है... मुझे अपनी वसीयत तैयार करनी है... अपने नाती-पोते को देखना है...। मुझे पृथ्वी पर और थोड़ा समय दे दो...।

ईश्वर - मेरे बच्चे, आय एम सॉरी, अब मैं कुछ नहीं कर सकता। पृथ्वी पर यह तुम्हारी छोटी विजीट थी, जो समाप्त हो चुकी है। अब तुम्हें आगे की यात्रा करनी है।

इंसान - (ईश्वर के हाथ की सुटकेस को देखते हुए) आपके हाथ में यह सुटकेस क्यों है?

ईश्वर - इस सुटकेस में तुम्हारा ही कुछ है।

इंसान - (खुश होकर) क्या है इसमें? क्या आप पृथ्वी से मेरे कपड़े और पैसे लेकर आए हैं?

ईश्वर - तुम्हारे अलमारी के सारे कपड़े और तुम्हारे बैंक में जमा किए हुए सारे पैसे तुम्हारे नहीं हैं। तुम जिन्हें अपने कपड़े समझ रहे हो, वे अब उन लोगों के हैं, जो इन्हें पहनेंगे। पैसे अब उन लोगों के हैं, जो इन्हें खर्च करेंगे। तो ये कपड़े और पैसे तुम्हारे कहीं हुए?

इंसान - अच्छा! तो फिर इस सुटकेस के अंदर क्या है? शायद इसमें मेरे रिश्ते होंगे।

ईश्वर - नहीं, रिश्ते तो तुम्हें कुछ सीखने के लिए दिए गए थे। ये भी तुम्हारे कहीं से हुए। सारे रिश्तेदार तुम्हें साधना करने के

लिए मिले थे।

इंसान - (आश्चर्य भरे स्वर में) अच्छा, न कपड़ा मेरा, न पैसे मेरे, न रिश्ते मेरे। फिर क्या है इस सुटकेस में? क्या मेरी कला और हुनर है इसके अंदर?

ईश्वर - तुम्हारी कला और हुनर तो तुम्हारे बाप-दादाओं के डी.एन.ए. से आए हैं तो ये भी तुम्हारे कहीं से हुए? ये तो उनके हैं।

इंसान - अच्छा, वह भी नहीं, फिर ज़रूर मेरी यादें होंगी?

ईश्वर - यादें भी तुम्हारी नहीं हैं। वह भी तुम्हें पूर्व जीवनों से प्रसाद में मिली हैं।

इंसान - यादें भी मेरी नहीं... रिश्ते भी मेरे नहीं... कला भी मेरी नहीं... फिर क्या रहा मेरा? क्या मेरा शरीर है इसके अंदर?

ईश्वर - वह तो पृथ्वी पर उपस्थित पंचतत्त्वों का है। तुम्हारा शरीर जल, पृथ्वी, अग्नि, वायु और आकाश इन पंचतत्त्वों से बना है इसलिए वह उन्हीं में मिल जाएगा।

लिए मिले थे।

इंसान - (आश्चर्य भरे स्वर में) अच्छा, न कपड़ा मेरा, न पैसे मेरे, न रिश्ते मेरे। फिर क्या है इस सुटकेस में? क्या मेरी कला और हुनर है इसके अंदर?

ईश्वर - तुम्हारी कला और हुनर तो तुम्हारे बाप-दादाओं के डी.एन.ए. से आए हैं तो ये भी तुम्हारे कहीं से हुए? ये तो उनके हैं।

इंसान - अच्छा, वह भी नहीं, फिर ज़रूर मेरी यादें होंगी?

ईश्वर - यादें भी तुम्हारी नहीं हैं। वह भी तुम्हें पूर्व जीवनों से प्रसाद में मिली हैं।

इंसान - यादें भी मेरी नहीं... रिश्ते भी मेरे नहीं... कला भी मेरी नहीं... फिर क्या रहा मेरा? क्या मेरा शरीर है इसके अंदर?

ईश्वर - वह तो पृथ्वी पर उपस्थित पंचतत्त्वों का है। तुम्हारा शरीर जल, पृथ्वी, अग्नि, वायु और आकाश इन पंचतत्त्वों से बना है इसलिए वह उन्हीं में मिल जाएगा।

वर्तमान का जादु पुस्तक से संकलित



- श्रीमती जयश्री ढंगे
प्राथमिक शिक्षिका

विद्यार्थी

संघर्ष ही जीवन का हिस्सा है,
मंजिल ही जीवन का किस्सा है।
विद्यार्थी बन मंजिल को पाना है,
राही बन मंजिल तक जाना है।
असफलता ही इनके जीवन का हिस्सा है,
सफलता ही इनके जीवन का किस्सा है।
मां के सपनों को पूरा करना है,
पिता के उम्मीदों पर खरा उतरना है।
दूसरों से पहले इन्हें खुद को जितना है,
दूसरों से पहले इन्हें लक्ष्य को भेदना है।
रातों से इन्हें लड़ना पड़ता है,
खुद को इन्हें जितना पड़ता है।
संघर्ष ही जीवन का हिस्सा है,
मंजिल ही जीवन का किस्सा है।
कलम टूट जाती है, मुश्किलें भी हार जाती हैं
इन विद्यार्थियों के सामने, मुसीबतें भी झुक जाती हैं
मुसीबतों को आसानी से झेल लेते हैं,
उलझनों को आसानी से सुलझा लेते हैं।
विद्यार्थियों का दर्पण पुस्तक हैं,
श्रृंगार इनका विद्या है
आदर्शवादी चंचलता सहनशीलता,
यही इनका परिधान है
हम विद्यार्थियों की यही पहचान है,
न कोई जाति नहीं कोई धर्म।
क्योंकि हम विद्यार्थी हैं।
इतने मजबूत हैं हौसले,
टूट जाये पहाड़ पर नहीं टूटेगा हम विद्यार्थियों का हौसला।
संघर्ष ही जीवन का हिस्सा है,
मंजिल ही जीवन का किस्सा है।



BHUSHAN SHIMPI
COMPUTER INSTRUCTOR

एक भारत श्रेष्ठ भारत : एक अब्दुत संकल्पना

भारत एक अनोखा राष्ट्र है, जिसका निर्माण विविध भाषा, संस्कृति, धर्म के तानो बानो, अहिंसा और न्याय के सिद्धांतों पर आधारित स्वतंत्रता संग्राम तथा सांस्कृतिक विकास के समृद्ध इतिहास द्वारा एकता के सूत्र में बाँध कर हुआ है। एक साझा इतिहास के बीच आपसी समझ की भावना ने विविधता में एक विशेष एकता को सक्षम किया है, जो राष्ट्रवाद की एक लौ के रूप में सामने आती है जिसे भविष्य में पोषित और अभिलषित करने की आवश्यकता है।

31 अक्टूबर, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाने की कल्पना की गई थी जिसके द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के संप्रदायों के बीच एक निरंतर और संरचित सांस्कृतिक संबंध बनाये जा सके। माननीय प्रधानमंत्री ने यह प्रतिपादित किया कि सांस्कृतिक विविधता एक खुशी है जिसे विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लोगों के बीच पारस्परिक संपर्क और पारस्परिकता के माध्यम से मनाया जाना चाहिए ताकि देश भर में समझ की एक सामान्य भावना प्रतिध्वनित हो। देश के प्रत्येक राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश का एक वर्ष के लिए किसी अन्य राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के साथ जोड़ा बनाया जाएगा, इस दौरान वे भाषा, साहित्य, भोजन, त्योहारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पर्यटन आदि क्षेत्रों में एक दूसरे के साथ जुड़ेगे। भागीदार राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश आपस में एक दूसरे को सांस्कृतिक रूप से अंगीकृत करेंगे।

Under Ek Bharat Shreshtha Bharat Following activities have been conducted By Seema Batham , Incharge EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT under the guidance of Respected Shri Nitin Kumar Upadhyay,Principal KV OF Bhusawal.

August 2022: INDEPENDENCE DAY CELEBRATION.

1.An Odia Group Dance presentation was prepared by Mrs Seema Batham TGT English , I/C Ek Bharat Shreshtha Bharat on the occasion of Independence Day Celebration.

Following students of Class IX A participated Odia Group Dance presentation.

Pradnya Wankhede, Malwika Dwivedi, Arshiya Tadavi, Sandhya Kumari, Saakshi Gadhe, Pooja Jaykumar,Vijaya Sapkale.



2.HOUSE -WISE COMPETITION OF ODISA GROUP DANCE:A House -wise Competition of Odia Group Dance was organised on 3/09/2022 in which the students of all the four Houses- Shivaji,Tagore,Ashok,Raman presented Odia

Group Dance. These Dances were showing the culture, tradition and festivals of Odisha State.

Following guests (As Experts in Odia language and culture) were invited to judge the activities(Odia Group Dance) of the students.

Mr R.P.Lenka ,Junior Engineer from TDC Department CRLY BHUSAWAL

Mrs Priyadarshini Muduli (A parent of Itisnigdha Muduli Class IX A)



GROUP SONG COMPETITION

A House-wise Group Song competition was also organised on 3/09/2022. The students took part in the programme and presented the glimpses of the culture of Maharashtra through Marathi Group songs.

Mr Sandesh Ninawe PGT English and Mrs Rajni Powar ,Music Teacher were the judges in the programme.



The programme was organised and conducted by Mrs Seema Batham I/C EBSB under the guidance of Respected Shri Nitin Kumar Upadhyay ,In charge Principal KV OF Bhusawal.In this Programme KV Bargarh ,Odisha students presented the culture of Maharashtra in Marathi Language and the students of KV OF Bhusawal students presented the culture of Odisha

state in Odia Language. The cultural exchange of programmes was done virtually through Google Meet.



4. ODIA FOLK DANCE PRESENTATION IN YIL FOUNDATION DAY PROGRAMME OF BHUSAWAL

An Odia Group Dance was presented by the students of Class IX A on the occasion of YIL FOUNDATION DAY PROGRAMME OF BHUSAWAL.

The Dance presentation was prepared by Mrs Seema Batham I/C EBSB. The programme was appreciated by Hon'ble GM sir and Madam.



5. EXHIBITION OF ART CULTURE OF ODISHA STATE ON 1/11/2022 IN



USTER L

CE



7.ESSAY WRITING COMPETITION :CONSTITUTION DAY OF INDIA

190 students of class vi to IX participated the essay writing competition :Constitution day of India.

8. SPEECH COMPETITION :CONSTITUTION DAY OF INDIA

The students of class XI A and XI B presented speech in the morning assembly .

9.SHOWING ODIA FILM TO THE STUDENTS WITH CAPTIONS IN ENGLISH.



**BY SEEMA BATHAM
TGT ENGLISH
INCHARGE EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT KV OF BSL
POWER CAPSULES**

बाल कविता

अगर मैं पतंग होता...

अगर मैं पतंग होता

संग- संग हवा के लहराता

खुले आसमान की सीढियों पर

चढता जाता- चढता जाता



संग पंछियों के खूब खेलता

हंसते - गाते दिन बिताता

थककर वे जाते घर लौट

मैं न फिर भी मुरझाता

कभी मुड कर पीछे न देखता

ऊंचाई का सदा गीत गाता

अगर मैं पतंग होता ...

अगर मैं पतंग होता ...



- स्वरित अनिल भालेराव, कक्षा १

FROM
THE WORKS OF SWAMI VIVEKANANDA

- **“Be a Hero. Always say, ‘I have no fear’”.**
- **“True guidance is like a small torch in a dark forest; it doesn’t show everything once. But gives enough light for the next step to be safe.”**
- **“You have to grow from the inside out. None can teach you; none can make you spiritual. There is no other teacher but your soul.”**
- **“The world is the great gymnasium where we come to make ourselves strong.”**
- **“Strength is life; Weakness is Death.”**
- **“Supreme value of youth period is incalculable and indescribable. Youth life is the most precious life.”**
- **“Education is the manifestation of the perfection already in man.”**
- **“Man is born to conquer nature and not to follow it.”**
- **“Take up one idea. Make that one idea your life – think of it, the dream of it, live on that idea. Let the brain, muscles, nerves, every part of your body, be full of that idea, and leave every other idea alone. This is the way to success.”**
- **“Arise! Awake! And stop not until the goal is reached.”**
- **“Never think there is anything impossible for the soul. It is the greatest heresy to think so. If there is sin, this is the only sin; to say that you are weak, or others are weak.”**
- **“All power is within you; you can do anything and everything. Believe in that, do not believe that you are weak; do not believe that you are half-crazy lunatics, as most of us do nowadays. You can do anything and everything, without even the guidance of anyone. Stand up and express the divinity within you.”**
- **“Each work has to pass through these stages—ridicule, opposition, and then acceptance. Those who think ahead of their time are sure to be misunderstood”.**

Collected by

Gaurang Sandesh Ninawe

Class III A



बादल

ओ मेरे प्यारे बादल!

चल, चल, उड़ जा, उड़ जा ओ बादल। अभी अभी बाहर आई हूँ।

बात समझ मेरी भी, तू बादल।

अभी खेलना मुझे बहुत है।

अभी बहुत साथी जाएंगे।

मिलकर हम भागे दौड़ेंगे।

पर जब तुम बीच में आ जाओगे सारा खेल बिगड़ जाएगा।

हमको कितना दुःख होगा।

तुमने कभी सोचा है ? बादल!

आज सोच लो।

ओ मेरे प्यारे बादल।

जब हम खेल खाल कर घर जाएंगे

मिलकर तुम्हें बुलाएंगे।

फिर बरसना होकर मतवाले या होकर पागल।

हम पर थोड़ी दया दिखाकर थोड़ा तरसो।

अभी ना बरसो,

ओ मेरे प्यारे बादल!



■ आराध्या पांडेय

कक्षा चौथी अ

पेड़

आओ लगाएं घर आंगन में

हरे भरे मनभावन पेड़।

खट्टे मीठे और रसीले फल

देते हैं हमें हरे पेड़।

छाया वर्षा और शुद्ध वायु

एवं हरियाली हैं पेड़।

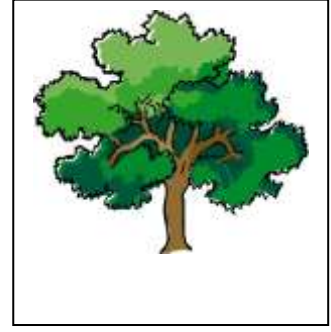
अगर चाहिए संतुलित हर ऋतुएं,

और शुद्ध पर्यावरण

तो क्यों न लगाएं हर, घर आंगन में मानवता के नाम का,

एक हरा भरा पेड़ ।

संकलित



■ काव्या विगम

चौथी अ

डॉ. भीमराव अंबेडकर

1.डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को महू मध्य प्रदेश में हुआ था।

2. डॉक्टर अंबेडकर का पूरा नाम भीमराव रामजी आंबेडकर था।

3. उनके पिता का नाम रामजी मलोजी सकपाल था और उनकी माता का नाम भीमा जी रामजी सकपाल था।

4. उन्होंने विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ाई की थी। सामाजिक अव्यवस्था के कारण वे बहुत पीड़ित भी रहे।

5. उन्होंने जीवन भर इसके विरुद्ध संघर्ष किया।

6. सन 1947 में उनकी नियुक्ति कानून मंत्री के रूप में हुई थी।

7. बाबा साहब को भारत के संविधान का जनक भी माना जाता है।

8. उनके जन्मदिवस को अंबेडकर जयंती के रूप में मनाया जाता है। 9.उनकी मृत्यु 6 दिसंबर 1956 को हुई थी।



* चाहत धुर्वे

कक्षा -पांचवीं अ

में मोबाइल हूं



मोबाइल हूं मैं रेडियो को खा गया मैं घड़ी को खा गया मैंने टीवी खत्म कर दी कंप्यूटर रखा गया और चिट्ठी पत्री को तो नष्ट ही कर दिया मैं मोबाइल हूं मैंने किताबों को खत्म कर दिया मैं कैलकुलेटर को खा गया मैंने बड़े पर्दे वाली सिनेमाघरों को भी नष्ट कर दिया मैं मोबाइल हूं मैं टॉर्च को खा गया मैं टेप रिकॉर्डर को खा गया मैंने कैमरे को खा लिया मैंने गली नुक्कड़ के सारे खेल खत्म कर दिए और बच्चों के बचपन को खा गया मैं और मजबूत होता जा रहा हूं मैं

मोबाइल हूं मैंने बच्चों के बचपन को खाया मैंने उनकी भूख मिटा दी भूल गए दादा दादी नाना नानी की कहानियां मैं सब खा गया मैं मोबाइल हूं ज्ञान का भंडार भी हूं जीना आसान कर दिया है मैंने लोगों की पर मेरी लत लग जाने के बाद आदमी अपने तक सीमित हो जाता है और भूल जाता है कि वह आदमी है और आदमी एक सामाजिक प्राणी है मैं मोबाइल हूं मेरा प्रयोग करें किंतु सावधानी का ध्यान रखें।

■ दिया, पांचवीं अ

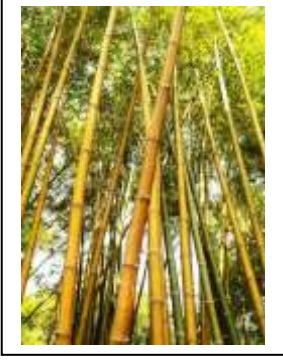
रामसेतु



1. रामसेतु बंदरों के द्वारा बनाया गया था।
2. रामसेतु सतयुग में बनाया गया था।
3. राम सेतु तब बना था जब माता सीता का हरण हो गया था।
4. रामसेतु के पत्थर आज भी समंदर में तैरते हुए देखे जा सकते हैं।
5. रामसेतु भारत और श्रीलंका को जोड़ता है ।
6. रामसेतु बीच में से कटा हुआ है।

-- प्रशांत जोशी, पांचवीं अ

बांस की जानकारी



मैं आज आपको बांस से जुड़ी कुछ बातें बता रही हूँ। बांस एक ऐसी चीज है जो आप कहीं भी पा सकते हैं। बांस के खेत हर जगह पर होते हैं। लोग बांस से कई सारी चीजें भी बनाते हैं। जैसे बांस की टोकरी, मछली पकड़ने वाली जाल, टोपी इत्यादि। भारत के उत्तर पूर्वी राज्य नागालैंड की बात करें तो नागालैंड के निवासियों में बांस की चीजें बनाने का प्रचलन है। जब इंसान ने हाथ से कलात्मक चीजें बनाना शुरू किया था तब से ही बांस की चीजें बनाई जा रही हैं। मानो बांस से कोई रिश्ता हो क्योंकि बांस की चीजें बनाकर लोग उन्हें बेचते हैं और उन्हीं पैसों से उनका घर चलता है।

बांस से मेरा रिश्ता (कविता)

बांस का यह झुरमुट मुझे अमीर बना देता है।

इससे मैं अपना घर बना सकती हूँ।

बांस के बर्तन और औजार इस्तेमाल करती हूँ।

सूखे बांस का मैं ईंधन की तरह इस्तेमाल करती हूँ। बांस का कोयला जलाती हूँ।

बांस का अचार खाती हूँ।

बांस के पालने में मेरा बचपन गुजरा।

पति भी तो मैंने बांस की टोकरी के जरिए पाई और फिर अंत में बांस कर मुझे लिटाकर, मरघट ले जाया जाएगा।
धन्यवाद

■ सलोनी कुमारी, कक्षा छठी ब

मेरे गांव का मेला



मैं बिहार राज्य के मुजफ्फरपुर जिले के रामपुर गांव की निवासी हूँ। प्रत्येक वर्ष मेरे गांव में श्रावण मास में पूर्णिमा के दिन श्रावणी मेला लगता है। यह मेला हमारे गांव के सरपंच द्वारा संचालित किया जाता है। इस मेले के संचालन की विधि कुछ इस प्रकार है- गांव के सरपंच किसी बड़े जमींदार से बहुत बड़ी जमीन एक हफ्ते के लिए अपने नाम करवाते हैं। फिर मेले में जिन लोगों को व्यापार करना होता है वह अपने नाम की सूची एक व्यक्ति जो कि

सरपंच का आदमी होता है उन्हें देते हैं। जब मेले का आयोजन किया जाता है तब उसके सजावट का कार्य एक विश्वासपात्र इंसान को सौंपा जाता है। व्यापारी अपना बेचने वाला सामान लेकर आते हैं और जो उनकी बिक्री होती है उसका 1/4 भाग उनको सरपंच को देना पड़ता है। जिससे वह जमींदार को उसकी जमीन का भाड़ा देते हैं। उस मेले में बहुत प्रकार के खेलने का झूला, खाने पीने की चीजें, बच्चों के खेलने की बहुत प्रकार के खिलौने आदि मिलते हैं

। जब हम और हमारा परिवार मेले में घूमने गए तो हमने वहां और भी तरह-तरह की चीजें देखीं। हमने बहुत सारी वस्तुओं को खरीदा भी। वहीं गेट के पास कुछ बूढ़े लाचार व्यक्ति बैठकर भीख मांग रहे थे। मैंने अपनी जमा पूंजी उनको दीदी और मन ही मन सोचा कि भगवान उनका भला करें। शाम होते ही पिताजी हमारे घर वापस हमें ले जाए। इस प्रकार मेरे गांव का मेला हमें अपने गांव से बांधे रखता है। धन्यवाद

■ साक्षी सुमन, छठी ब

मेरा जीवन लक्ष्य



■ मानव जीवन बड़ी मुश्किल से मिलता है। यह अनेक जन्मों के अच्छे कर्मों का फल है। इसलिए इसे व्यर्थ ढंग से बर्बाद नहीं करना चाहिए। अगर इसे व्यर्थ कर दिया तो वह हाथ मलते रह जाना पड़ेगा। वैज्ञानिक प्रगति के इस युग में मानव अपना लक्ष्य भूल चुका है। संसार की सुख सुविधाओं और धन संपत्ति को इकट्ठा करने में ही अपना जीवन लगा रहे हैं। मानव जीवन कहना सरल है उतना करना सरल नहीं होता। जन सेवा और राष्ट्र सेवा की रट लगाने से कुछ नहीं होता या काम तो बस सेवा है

तपस्या है, इसके लिए अपना पूरा जीवन समर्पित करना पड़ता है और कठिन रास्तों पर चलना पड़ता है। मेरे जीवन का लक्ष्य राष्ट्र सेवा है और मैं तन मन धन लगाकर राष्ट्र की सेवा करना

चाहता हूं। धन्यवाद

* श्रेयांश महाजन, कक्षा छठी ब।

हमारा देश भारत महान



हमारा देश भारत महान है, हम भारतवासी इसे माता के समान पूजते हैं। अपनी मातृभूमि की वंदना करते हैं और वन्देमातरम बोलते हैं। यह एशिया के बड़े देशों में से एक है। इसकी जनसंख्या सवा सौ करोड़ से भी अधिक है। हमारे देश को सोने की चिड़िया भी कहा जाता है। हमारा देश धर्मनिरपेक्ष देश है। यहां हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, पारसी, बौद्ध सभी धर्मों के लोग रहते हैं और अपने-अपने पर्व मनाते हैं। यहां सभी लोग मिलकर भारत की शान बढ़ाते हैं। यहां राजस्थान का विशाल रेगिस्तान है तो विश्व का सातवां आश्चर्य ताजमहल भी है। यहां गर्मी- सर्दी, बसंत- पतझड़ समय-समय पर आते जाते रहते हैं। भारत के कश्मीर की सुंदरता को दुनिया का स्वर्ग कहा गया है। यहां

गंगा, यमुना, व्यास, कृष्णा, कावेरी जैसी पवित्र नदियां बहा करती हैं। यहां 12 महीने लगातार बहने वाली नदियों से हमारा भूभाग सिंचित होता रहता है। भारत देवभूमि है। भूमि को हम मां मानते हैं। इसीलिए प्रत्येक व्यक्ति भारत माता की जय जयकार करता है मातृभूमि हमारे लिए सर्वस्व होती है। इसलिए हम वंदेमातरम कहते हैं।

एक बार फिर से वंदेमातरम। धन्यवाद।

■ श्रेयांश महाजन, कक्षा छठी ब।

मुक्केबाजी खेल खेल में

मुक्केबाजी एक ऐसा खेल है जिसमें दो खिलाड़ी हाथों में दस्ताने पहन कर एक दूसरे को मुक्के से मारते हैं। जब यह लड़ाई अखाड़े में कराई जाती है तो यही खेल के रूप में बॉक्सिंग अथवा मुक्केबाजी का खेल कहलाता है। आज यह एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल बन चुका है जो कि दुनिया भर के देशों में खेला जाता है। मुक्केबाजी एक साधारण खेल है। जिसमें खिलाड़ी अपने विपक्षी खिलाड़ी की कमर के ऊपर जितने मुक्के मारता है उसे उतना ही अधिक अंक प्राप्त होते हैं।



प्राचीन रोम में मुक्केबाजी को एथलेटिक रूप के रूप में दर्जा प्राप्त हुआ था जो कि पूरे विश्व में लोकप्रिय बना रहा। लेकिन रोमन साम्राज्य के पतन के बाद प्राचीन काल में लड़े गए मुट्ठी वाले खेल के लिए लुप्त हो गए। सन 1681 में इंग्लैंड में खुली अंगुलियों वाली लड़ाई का पहला लेखबद्ध विवरण लंदन प्रोटेस्टेंट मरक्क्यूरी में प्रदर्शित हुआ। 19 वीं शताब्दी के अंत तक मुक्केबाजी खेल को अंतरराष्ट्रीय खेल का दर्जा प्राप्त होने लगा। हालांकि इसके लिए खिलाड़ियों को कई संघर्ष करने पड़े। निःसंदेह मुक्केबाजी का खेल बेहद ही खतरनाक खेल है लेकिन इसके बावजूद इस खेल की लोकप्रियता में कमी नहीं आई है। आधुनिक काल में यह खेल अधिकतर लोगों का लोकप्रिय तथा पसंदीदा खेल बन चुका है। मुक्केबाजी खेल चीन में भी खेला जाता है जहां इसे मार्शियल आर्ट के नाम से जाना जाता है। मुक्केबाजी खेल में भारत भी सदैव अग्रणी रहा है जिसमें से कुछ प्रमुख मुक्केबाज खिलाड़ी इस प्रकार हैं। मनोज कुमार, मैरी कॉम, सरिता देवी, विजेंद्र सिंह आदि इन्हीं के माध्यम से आज बॉक्सिंग अथवा मुक्केबाजी खेल की लोकप्रियता का स्तर भारत में बढ़ता जा रहा है। मुझे भी मुक्केबाजी खेल काफी पसंद है और मैं अंडर फोर्टिन की प्रतियोगिता में खेलता हूँ। मैंने केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा 51 राष्ट्रीय खेल में कांस्य पदक हासिल किया है। इस कारण संगठन मुझे 5,000 नगद राशि देकर विद्यालय परिसर में मेरा और सभी खिलाड़ियों का पोस्टर लगाकर सम्मानित किया है।

■ ऋषिकेश सुरेश नरहिरे

सातवीं अ

मेरे अध्यापक

कभी डांट डपट कर प्यार जताया कभी रोक रोक कर चलना सिखाया।

कभी काली स्लेट पर चाक से,

उज्ज्वल भविष्य का सूरज उगाया।

कभी ढाल बनकर हर मुश्किल से बचाया, कभी हक के लिए भी लड़ना सिखाया।

कभी गलती बनाकर, कभी गलती बचाकर, एक सच्चे गुरु का फर्ज निभाया।

कभी माता-पिता बन दी सलाह, कभी दोस्त बन हौसला बढ़ाया, आज कहता हूँ उन अध्यापकों को बड़ा धन्यवाद, जिन्होंने हमें इस काबिल बनाया।



■ प्रबुद्ध मनूरे, सातवीं ब

आजादी



पंछी है कैद अगर, उड़ने में उसकी मदद कर।

रात है काली अगर, तो दिया जलाकर रोशन कर। बीत गए कई साल रुढ़िवादी विचारों में उलझ कर, सुलझा मन के भाव को और विचार कर।

आदमी हो या हो कोई बच्चा सबके जीवन का सम्मान कर, तोड़ दे जंजीरे सारी आगे बढ़ चल, विजई राह पर। उन वीर जवानों से क्या सीखा क्या पाया, अगर

तू अभी डर में खोया खोया है।

उठ जा छू ले अंबर, हक है सबका आजादी पर। जंग लड़े वो वीरों की तरह,

जब खून खौल फौलाद हुआ। मरते दम तक डटे रहे वो देश तभी तो यारों आजाद हुआ।

■ लक्ष्य दुबे, आठवीं ब

एक सवाल

आओ पूछें एक सवाल।

मेरे सिर पर कितने बाल ?

कितने हैं आसमान में तारे ?

बताओ या कह दो हारे ।

चिड़िया क्या करती है बात ?

नदी क्यों बहती है दिन रात ?

क्यों कुत्ते बिल्ली पर धारं ?

क्यों बिल्ली कुत्ते को खाए ?

बादल क्यों बरसाते पानी ?

लड़के क्यों करते शैतानी ?

नानी की क्यों सिकुड़ी खाल ?



अजी ना करो ऐसे सवाल।

यह सब ईश्वर की माया।

इसको कौन जान पाया।

■ श्रेया सिंह, आठवीं ब

कलयुग



ये कैसा कलयुग है जहां मां बाप को सम्मान नहीं, नारी का है मान नहीं।

दर-दर ठोकर खाते हैं ये और ज्ञान का कोई स्थान नहीं।

हिंदू मुस्लिम करते हैं, भाईचारे का नामोनिशान नहीं।

बेटी का ईमान नहीं और किसान के चेहरे पर मुस्कान नहीं।

इस कलयुग में फिर से संपत्ति ने दो भाइयों को लड़ाया है , मां बाप को घर से निकाला और प्यार को कचरे के डिब्बे में डाला।।

गुरु और शिष्य के बीच अब आदर का व्यवहार नहीं और गरीब के पास एक समय का आहार नहीं।

शांति का कोई नाम नहीं लोगों के पास कोई काम नहीं। इस कलयुग में हमारी प्राचीन संस्कृति मिटने लगी है और बेईमानी लोगों के रगों में बहने लगी है। सत्य कोई बोलता नहीं इमानदार कोई बनता नहीं।

कुबुद्धि का वास सब में ,लोगों में विश्वास नहीं ।

कलयुग में झूठ स्वीकारा जाता है, ईमानदार को चारों तरफ से शिकार बनाया जाता है।

इस कलयुग में अच्छाई कहीं छुप जाती है और बुराई खूब उभर कर आती है।

फिर एक दिन कलयुग का विनाश होगा, शांति - भाईचारे व ईमानदारी का फिर से वास होगा फिर से अखंड भारत का निर्माण होगा।

मालविका द्विवेदी, नवीं अ

विद्या का महत्व

विद्या एक जरिया है

सफलता प्राप्त करने का।

अपने घर, अपने समाज

अपने देश का नाम रोशन करने का।



जो हर लड़की नमन करें उस स्त्री को,

जिसने स्त्री शिक्षा की ओर पहला कदम बढ़ाया था।

आज भी हर लड़की चूल्हा चौका का काम कर रही होती अगर सावित्रीबाई फुले ने सभी व्यक्ति को स्त्री शिक्षा का महत्व समझाया ना होता।

विद्या एक ऐसी तलवार है जिससे डॉक्टर बी. आर. अंबेडकर ने जातिभेद मिटाया था।

विद्या को प्राप्त करके देश को प्रगति के मार्ग पर लाना एक ऐसा दायित्व है जैसे कि राजा राममोहन राय ने सती प्रथा के खिलाफ अपना आवाज उठाया था।

विद्या सिर्फ कुछ पुस्तकों तक सीमित नहीं है, यह तो महासागर जैसा विशाल है, जो व्यक्ति इसे प्राप्त ना करें वह तो विद्या के बिना कंगाल है। संस्कृत में भी लिखा गया है-“ विद्या से विहीन व्यक्ति जानवर के समान है” जो व्यक्ति विद्या को प्राप्त कर ले वह तो धन-संपत्ति के बिना भी धनवान है। विद्या को प्राप्त करने की नहीं होती कोई उम्र, न होता है उसका कोई क्षेत्र,

एक बार बड़ा कर तो देखो विद्या के सामने अपने दोस्ती का हाथ, वादा रहा वह भी बना लेगी आपको अपना मित्र।

■ प्रज्ञा प्रकाश वानखेडे, नवी अ

नारी

नारी को कमजोर समझ कर करते हो बार-बार गलती ये
उसे छोड़कर उसे डराकर
करते हो बार-बार गलती ये।
खुद तुमने तोड़ हैं सारी सीमाएं
तो वह क्यों रहे सीमाओं में।
वह भी आगे आए एक दिन और दिखा दे की कितनी ताकत है उसकी
भुजाओं में ।



वो बहुत शक्तिशाली है, बनाया है उसने अखंड संसार, दे सकती है जन्म, मृत्यु भी है उसी के हाथ। आत्मनिर्भर है,
वह अभिमानी भी है।

वो है हर घर की शान, उसके बिना तो स्वर्ग भी लगे हैं श्मशान। जिद है उसमें बहुत कुछ पाने की हर युद्ध
जीतकर वापस आने की।

यूं ही नहीं है उसका नाम, इतिहास में रोशन, पर हर गलती का लगता है सिर्फ उसी पर दोषारोपण।

ऐसा क्यों? यह सब सहकर भी वह रहती है हर चुनौती के लिए तैयार , उसे प्राप्त करने हैं अब अपने सारे अरमान
और यही है आज के नारी की एकमात्र पहचान।

■ साक्षी गाढ़े, नर्वी -अ

महाराणा प्रताप

ले हाथ खड्ग कंधे भाला
सीने में धधकती ले ज्वाला
चेतक संग चल कूद पड़ा
बण सूरवीर वह टूट पड़ा।
ओ माटी मेवाड़ा थी
सुण मावण राणा री
मस्तक तेरा टीका शान मेरी
नहीं जावण दूंगा आन तेरी।
म्हारी जामण म्हारी मावण तू
स्वाभिमान तेरो ना खोवण दूं
कटे शीश,पड़े ये पाग नहीं,
पराधीन कदे ना होवण दूं।
ओ माटी मेवाड़ा री।
सुण मावण मेवाड़ा री।
मस्तक तेरा टीका शान मेरी
नहीं जावण दूंगा आन मेरी।
तुझको ये जुबान मेरी
तुझपे वारंगा जान मेरी।
बली तुझपे प्राणा री
ओ माटी मेवाड़ा री।
जैसे एक चिंगारी लगा देती है
पूरे जंगल में आग जैसे थे,
महाराणा प्रताप वीर ऐसे थे।



■ आदित्य शर्मा, 9 नवीं अ।

मौसम



मौसम ने ली अंगड़ाई, आपने निकाल ली रजाई।
आइसक्रीम से हुई लड़ाई और मूंगफली अब घर घर में
आई,

कोल्ड ड्रिंक से मुंह मोड़ लिया चाय से नाता जोड़ लिया।
जरा सी ठंड क्या लगी जनाब, हमने तो सुना है आपने
नहाना भी छोड़ दिया।

जनाब
और



प्रिय मोहतरमाएं

फूल खिलते हैं कांटों के साथ,

के फूल खिलते हैं कांटों के साथ।

शायराना अंदाज लिखती हूं गीतों के साथ,

कुछ लफ्ज आपके लिए

पास रहते तो मन लगाए रहते,

के पास रहते तो मन लगाए रहते,

दूर रहते तो परिवार खोए रहते, हम ऐसा इश्क कर बैठे हैं जनाब रेल से,

के हम ऐसा कुछ इश्क कर बैठे हैं जनाब रेल से कि क्या बताएं रेल के बिना हम रह नहीं सकते। सूटकेस लिए बैग
और चल देते हैं घर से निकलकर परिवार को भूलकर

कुछ यूं ही छुक-छुक के साथ जनाब

लाखों लोगों की जिम्मेदारियों को लेकर चल देते हैं।

कहते हैं...

मेरी नजरों में हैं तेरे सपने ,

के मेरी नजरों में हैं तेरे सपने।

झड़वर के बिना छुक- छुक के भी क्या अपने....

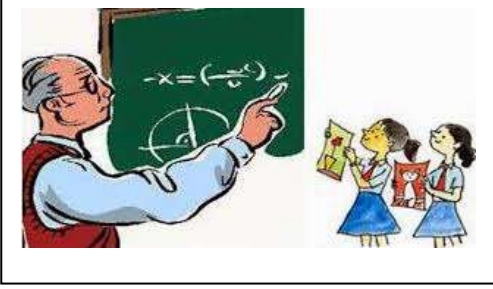
अंत में चंद लफ्ज जाहिर करना चाहूंगी आपसे

चाय में डाली जाती है चीनी चाय में डाली जाती है चीनी जिंदगी में रुकमत मेरे यार,

यही है तेरे कामयाबी की निशानी। अपनी कद्रदानी को यूं न छिपाइए, अगर यह अंदाज पसंद आया हो तो तालियां
जरूरी बजाइए।

अक्सा अली, कक्षा ग्यारहवीं अ

शिक्षक



वो अपने ज्ञान की ज्योति से घर-घर का दीप जलाते हैं जो बच्चों को पाठ पढ़ाते हैं वो राष्ट्र निर्माता कहलाते हैं।

कभी डांट कर कभी प्यार से बच्चों की गलती उन्हें बताते हैं जो बच्चों को अनुशासन सिखाते हैं वो एक अच्छे शिक्षक कहलाते हैं।

अज्ञानता के काले बादल हटाकर बच्चों में ज्ञान की रोशनी फैलाते हैं जो सदैव सत्य मार्ग पर चलना सिखाते हैं वो ही असली मार्गदर्शक कहलाते हैं।

■ अर्चना मीना, 11वीं 'अ'

समय



जब तक तू जगेगा, समय सो जाएगा ।

यह समय कीमती है, वापस नहीं आएगा। घर बैठे रहने से कुछ नहीं हो पाएगा, ये समय कीमती है वापस नहीं आएगा। समय ही धन है, समय ही खजाना है। यही वह समय है जिसमें कुछ कर दिखाना है।

समय का क्या महत्व है यह तुझे समझना है। जब तक तू यह

समझेगा समय हो जाएगा। यही वह समय है जिसमें तो कुछ कर पाएगा, ये समय कीमती है वापस नहीं आएगा।

देर नहीं हुई है लक्ष्य प्राप्ति भी नहीं हुई है। तेरी मंजिल तुझसे दूर खड़ी है कोई नहीं रोकेगा, तुझसे ही हो पाएगा, कुछ दिनों के बाद तू खुद को पहचान जाएगा। यही वह मंजिल है जिसे तुझे पाना है।

यही वो समय है जिसमें कुछ कर दिखाना है।

घर बैठे रहने से कुछ नहीं हो पाएगा, ये समय कीमती है वापस नहीं आएगा।

■ गुणमय विवेक स्वामी, कक्षा ग्यारहवीं

My aim in life to become a doctor

Aim in life is very important. It gives us a direction for our career . Without aim life is like a car without driver. Everybody has an aim in life . My aim in life is to become a doctor. I know that becoming a doctor is not a very easy task but I have confidence to achieve the target. This profession is my choice and my parents are also happy with my decision. A doctor is considered to be one of the most respected persons in our society. Doctors give hopes to the people. There are some reasons behind my choice. I would not like to be a doctor just for the sake of earning money . I want to become a doctor because I want to help all those poor people of my country who are suffering from various diseases. When I become a doctor, I will treat the poor patient without charging fees. I think I have chosen a noble profession as compared to the other professions.

Saloni Kumari, 6th b

About solar System



Our home planet Earth lies in which galaxy? Yes, The huge Milky way galaxy. It contains our Earth, Many star's and the sun. Billion of stars asteroids small rocks are floating in space now here some amazing facts about complete one revaluation is 88 days only. The second is Venus. Venus has get the nickname of morning star's . Evening universe presented our solar system contains 8 planets and their names are Mercury Venus Earth Mars Jupiter Saturn Uranus Neptune so some properties of different plannet are first of all Mercury.This is a planet which is closest to the sun and it star. The hottest and brightest planet is Venus. Why Venus is hottest because of their atmosphere. The atmosphere of Venus contains only carbon dioxide which is trapping The heat of sun. Now the third one which is our Earth. Only a planet which is called as biosphere. This is a planet which only exist life in our solar system. This planet is also called as our god gift the earth is revaluig around Sun and to complete one revolution it takes 365 days 5 hours 48 minute and 46 second. The earth is also called as a blue planet because of presece of water on it. Cover 70% water on its surface the rotation speed of earth around axis is 1650 km per hour. The 4th planet is Mars. Mars is only on which humans can plan to survive except Earth. This is also called as Red planet. Ellen mask a very craziest person have sent space ships on Mars. Our country India have also same to space ship 2 Mars called as Mangalyan. Mars is also called as red planet. Now the fifth one is Jupiter Jupiter is a huge gas giant. It is the largest planet in our solar system. When any asteroid games towards Earth the Jupiter gravity attract the asteroids to own direction. Jupiter complete one revolution in 12 years. Second largest planet in our solar system it Saturn. Saturn is also called as ringd planet around Saturn a circular pattern is formed called as ring pattern. Around Saturn circular pattern is formed called as ringed pattern. This is formed because of dust particles and small Rock these are controlled by the gravity of Saturn. The 7th planet is Uranus. Uranus is also called as oldest planet of our solar system

the 8th of last planet is Neptune. Neptune takes 165 years to complete one revolution around Sun. Some more about solar system are here -all the planets are spherical in shape due to presence of gravity. First satellite launch by any country was Sputnik I. Yuri Gagarin became the first human to go in space. The closest star to our solar system is Proxima Centauri. John Glenn was the first human to orbit the earth Neil Armstrong a US astronaut became the first human to walk on moon. Andromeda is the nearest galaxy to the Milky Way Chandrayaan was the space ship launched by ISRO to moon.

■ Sakshi, 6th b

Unity and diversity in India

India is a country of many diversities there are different type of folk dance, dressing way of men and women in different culture and there are various type of food items cooked in different reason of India a very famous dialogue is presented here language in India is very form the distance of every 100 m means India is having different religion and different type of languages also. Like Bihar state of India. It contains 38 district. Every district has their own local language like Bhojpuri magahi Urdu Maithili and many more but origin of these local language is from only a language called Hindi. About 70% of people in India talk in the language Hindi these all knowledge is about diversity in India now the topic is unity in India a very popular story is presented here about unity in India so the story is when the Britishers were ruling all over India before that is every person in India was loaded with wheel and India was also called as Sone ki chidiya so when Britishers was rolling all over India the people of India was expecting to that they will get freedom easily but after sometime when foreigners were showing cruelty to them they thought and discussed that we will make all people to team and their will know any discriminations between Hindu Muslims and any other religion this was unity in people of India and petroleum in heart of people for India.

■ Sakshi Suman, class 6th b

Nature

Nature, How beautiful it is,

Nature, has own secrets,

Nature, has own ways,

If you hurt nature,

Nature will take revenge,

Like flood, thunderstorm etc.

If you love nature,

Nature gives you gift,

You give nature's plants water,

Nature gives you oxygen,

Nature helps you when you help nature.

Nature! Oh nature,
You are the best,
I want to know about you,
More and more and more,
I know your some secret.
Like how many things you give us,
And on earth there are many organism,
Tigers, owls, cats and many more.
Every animals has their own abilities.
Owls can see in dark night and
Shark and see clear under water.
But you know that
nature is the purest portal to inner peace,
nature is the god of art and beauty. and colours are the smile of nature.



■ Ananya Pandey, VII a

The other side of the wall

Once upon a time a girl loved gardening. She had many beautiful flowering plants in her garden. One day she went to market and met a lady selling seeds. These are seeds of beautiful flowering creeper plant. If you want to plant it near a wall it will take a support of the wall and grow, said the lady. The girl bought the seeds and merrily came home. She planted them by the back wall of her garden, it was a wall that she shared with her neighbor. Her neighbors could not walk but they would be often talk to each other from behind this wall. Girl said I have planted seeds of a lovely new plant. oh that's nice said the neighbor also she said I wish I could someday come and see a beautiful garden but alas I cannot move my own garden has become a dry patch of land as I cannot take care of it. Many months passed and the girl tended to her new creeper plant everyday and with each day the plant become bigger and bigger but it is not flower not a single flower grew on it. Frustrated by the only plant that did not give her flower she decided to cut it down. then she brought her axe and was about to chop the creeper down just then the neighbor called out it is you I have been meaning to talk you for many weeks. thank you so much for the lovely flowers girls said flowers, then the neighbor said yes ! They are very beautiful. I feel so happy every time I see them. The girl rushed to the neighbor's house she saw that the creeper from her garden had pushed through the cracks and wholes in her wall and was growing on her neighbor's side of the wall and it was full of the most beautiful flowers she had even seen in her life.

■ Riya Pandit, VII A

How to acquire more knowledge

You can acquire knowledge from your school and home but you can be a good informative by acquiring more knowledge so how can you acquire knowledge. there are many ways you go to school also but after school you can acquire knowledge of social environment. surrounding future tech and your favourite things. so first of all you want ask question to your mind be ready to get it anywhere. Ask your mom, dad or guardians if they had no answer or they are not giving so you can get help of your teachers or social network. Second experience your life read books and Understand their motive, get more questions but questions should good answer. read newspapers it will help you for exams also you have also known about Google boy Kautilya pandit a boy of 14 years is known Google boy, because he has knowledge about to Google. he also said get questions solve it knowledge is mainly of two type factual and conceptual knknowledgeFactual knowledge is about a basic informative about the totopic. Conceptual knowledge is understanding logic meanings why is it true for this and concept behind it it is your choice that which knowledge you want to acquire I tell you.

■ Rudransh Patil, class 8 a

Fact fact about science and technology

1. 220 million tons of old computers and other technology cal hardware are trached in the United States each year.
2. Diamond will not dissolve in acid. The only thing that can destroyed it is intense heat.
3. 600 new computer viruses are created and released every month 90% of emails contain some form of malware.
4. The first computer mouse was made in 1964 by dong Angelbart. It was rectangular and made from wood.
5. The Firefox logo is not fox.... it is a Red panda.
6. Teaspoon full of neutron star would weight 6 billion tons.
7. Hawaii moves 7.5 cm closer to Alaska every year.
8. Sunflower are known as hyper accumulator and they can be used to clean up radiation.
9. According to Moore's law, micro chips double in power every 18 to 24 months.
10. The first two video games copyrighted in US were asteroid and lunar lander in 1988.

■ Malvika Dwivedi, IX A.

Constitution assembly members

Vallabh Bhai Patel

1875 to 1950

He was born in Gujarat he was the first minister of home information and broadcasting in the interim government he was a lawyer and leader of bardali peasant satyagra ha played a decisive role in the integration of Indian princely status .

Later:-deputy prime minister.

Abul kalam Azad

1888 to 1958 born in Saudi Arabia

He was educationist author and theologian, scholar of Arabian he was Congress leader active in the National movement Muslim sparalist politics.

Later:- Education minister in the first union cabinet.

Sarojini Naidu

1879 to 1949 she was born in Andhra Pradesh Shivaji great poet writer and political activist among the foremost women leaders in the Congress.

Later:-governor of Uttar Pradesh.

T .T . Krishnamachari

1899 to 1974

Born in Tamilnadu he was member of constitution assembly of drafting committee. entrepreneur and Congress leader.

Later:-finance minister in the union cabinet.

■ Aditi Rakesh Verma , IX A

Freedom

The birds that fly high .
soaring in the sky,
Are a symbol of freedom,
But do you know why?

They are not bound by their wings,
And are not sheltered by a case,
And are not attached to strings,
Through them I am encouraged.

Zehra Sheikh

IX A

Benefits of yoga

Yoga is an ancient art that connect the mind, soul and the body. It is an exercise that we perform by balancing the element . yoga help us keep control of our bodies as well as mind it is a great channel for releasing our stress and anxiety yoga grows gradually and is now spread in all religions of the world .It unites people in harmony and peace yoga has numerous benefit if we look at it closely you will get relief when you practice it regularly as it keeps away the ailments from our mind and body.

■ Abhishek pal, IX b

Nature

Our life depends on nature

Nature creates tiny and big creatures

Sun rise in morning and

Moon in evening.

We can see stars in night.

Everything looks beautiful in nature.

Birds , animals is live in nature.

It's looks very shine and briight.

The nature gives us everything.

We are thankful to nature

For giving us all beautiful things



■ Falguni Vigam, XA

भारतम् भारतम्

शक्तिसम्भृतं युक्तिसम्भृतं शक्तिसम्भृतं युक्तिसम्भृतं

शक्तियुक्तिसम्भृतं भवतु भारतम्

भारतम् भारतम् भवतु भारतम्।

शस्त्रशास्त्रधारकं भवतु भारतम्।

शस्त्रशास्त्रधारकं भवतु भारतम्।

भारतम् भारतम् भवतु भारतम्।

भारतम् भारतम् भवतु भारतम्।

रीति संस्कृतं नीति संस्कृतं

रीति संस्कृतं नीति संस्कृतं

रीतिनीति संस्कृतं भवतु भारतम्।

भारतम् भारतम् भवतु भारतम्।

कर्म नैष्ठिकं धर्म नैष्ठिकं

कर्म नैष्ठिकं धर्म नैष्ठिकं।

कर्मधर्म नैष्ठिकं भवतु भारतम्।

भारतम् भारतम् भवतु भारतम्।

भक्ति साधकं मुक्ति साधकं

भक्ति साधकं मुक्ति साधकं

भक्तिमुक्ति साधकं भवतु भारतम्।

भारतम् भारतम् भवतु भारतम्।

आजादी का अमृत महोत्सव की गतिविधियां (प्रभातफेरी)



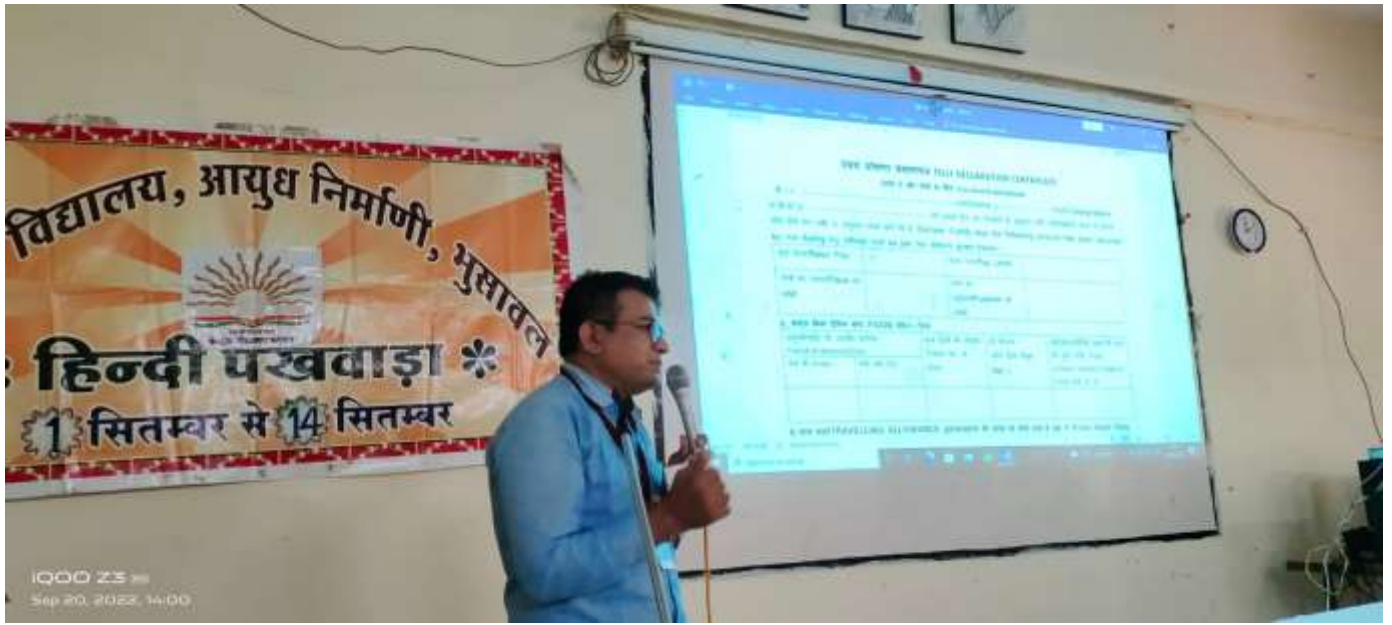








जन जाती गौरव दिवस



हिंदी कार्यशाला



स्काउट- गाईड



स्काउट- गाईड

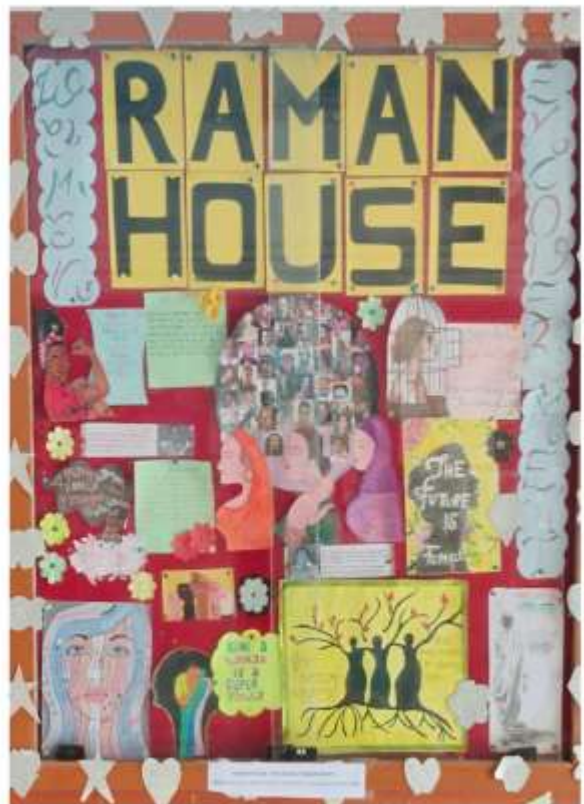


स्काउट- गाईड



आंतरराष्ट्रीय शांतता दिवस





पाठ्य सहगामी क्रिया कलापो से संबंधित गतिविधिया



- श्रेया सिंह, ८ ब



प्रथम ठाकूर, ९ अ

पाठ्य सहगामी क्रिया कलापो से संबधित गतिविधिया



काव्या शर्मा, ९ अ



सिद्धार्थ सिंह, ५ ब

पाठ्य सहगामी क्रिया कलापो से संबंधित गतिविधिया



तृती गुसा, ५ ब



वंशिका रंधे, ९ अ

पाठ्य सहगामी क्रिया कलापो से संबंधित गतिविधिया



पाठ्य सहगामी क्रिया कलापो से संबंधित गतिविधिया



पाठ्य सहगामी क्रिया कलापो से संबंधित गतिविधिया



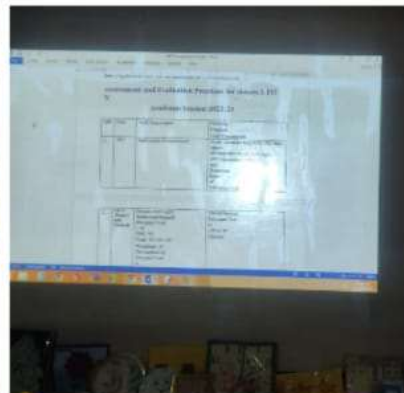
पाठ्य सहगामी क्रिया कलापो से संबंधित गतिविधिया



पाठ्य सहगामी क्रिया कलापो से संबंधित गतिविधिया



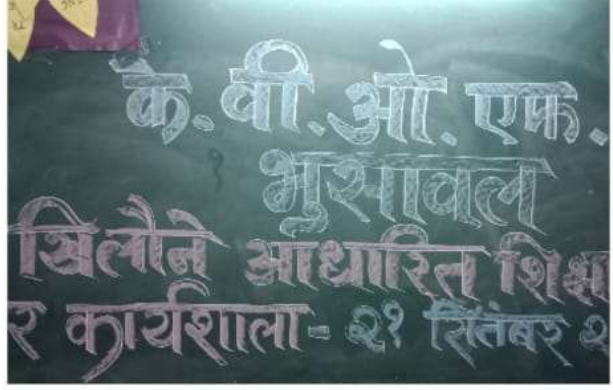
शैक्षणिक गतिविधिया



शैक्षणिक गतिविधिया



शैक्षणिक गतिविधिया



शैक्षणिक गतिविधिया



!! धन्यवाद !!